



مدرسہ اصلاحِ ملت

आओ अपनी नमाज़ की खामियों को दूर करें

भुले से फर्ज़ छोड़ने पर नमाज़ का हुकम

अगर नमाज़ में फर्ज़ छूट जाए तो नमाज़ फ़ासिद हो जाति है और दौबारा अदा करनी होती है।

भुले से वाजिब छोड़ने पर नमाज़ का हुकम

अगर नमाज़ में वाजिब छूट जाए तो नमाज़ फ़ासिद नहीं होती बलके सजदा सहव करने से नमाज़ हो जाति है।

भुले से सुन्नत छोड़ने पर नमाज़ का हुकम

अगर नमाज़ में सुन्नत छूट जाए तो नमाज़ हो जाति है लेकिन सुन्नत का सवाब नहीं मिलता।

नमाज़ में फर्ज़ वाजिब और सुन्नत

त्कबीरे तहरीमा	फर्ज़
क़याम	फर्ज़
हाथों को कानों तक उठाना	सुन्नत
हाथ बांधना	सुन्नत
सना का पढ़ना	सुन्नत
तअवुज़ यानि अउजु पढ़ना	सुन्नत
त्समिया यानि बिसमिल्लाह पढ़ना	सुन्नत
किरात (तीन आयत के मिक्दार क़िरात फर्ज़ है)	फर्ज़

(بلغوا عني ولو آية) The Prophet ﷺ said:
 “Convey (my teachings) to the people
 even if it were a single Aayah



مدرسہ اصلاح ملت

سورتوں کا فاتحہ	واجب
سورت کا میلانا	واجب
تکبیر	سunnat
رُکُ	فرض
تسبیح (سُبْحَانَ رَبِّیْ اَلْ اَزِیْمِ کہنا)	سunnat
تسمیٰ (سَمِیْ اَللّٰہُ لِمَنْ حَمِیْدُہ کہنا)	سunnat
کَومَا (رُکُ کے بعد سیدھا کھڑا ہونا)	واجب
تمہید (رَبِّنا وَ لَکَ لْ حَمْدُ کہنا)	سunnat
تکبیر	سunnat
سجدہ	فرض
تسبیح (سُبْحَانَ رَبِّیْ اَلْ اَزِیْمِ کہنا)	سunnat
تکبیر	سunnat
جلوس (دونوں سجدوں کے درمیان بیٹنا)	واجب
جلوس کی دُعا ربِّیْ فِرْلٰی 3 بار	سunnat
تاہدیل (یانی ہر رُکن کو آرام سے ادا کرنا)	واجب
کَؤدہ اُلا (دو رکعات کے بعد بیٹنا)	واجب
تَشْہِہُہ (اَتْتِہِیَاہ کا پڑھنا)	واجب
تَشْہِہُہ پڑھتے وقت شہادت کی اُنگلی اٹھانا	سunnat
کَؤدہ اَخِیْرَا (اَخِیْرٰی رکعت میں بیٹنا)	فرض
دُروہ شَرِیْف پڑھنا	سunnat

(بَلِّغُوا عَنِّیْ وَلَوْ آیَۃً) The Prophet ﷺ said:
 "Convey (my teachings) to the people
 even if it were a single Ayah



دुआ	سunnat
لवज़ सलाम	वाजिब
दाएं बाएं गरदन फ़ैरना	सunnat
वितर में दुआ ए कुनूत का पढ़ना	वाजिब
दुआ ए कुनूत के लिए तकबीर कहना	वाजिब

मुफसिदात ए नमाज़ यानि जिन चीजों से नमाज़ टूट जाती है

- बात करना चाहे थोड़ी हो या बहुत क़सदन हो या भूल कर।
- सलाम करना या सलाम का जवाब दैना।
- छीकने वाले के जवाब में यर हमुक अल्लाह कहना।
- रंज कि ख़बर सुन कर **إِنَّا لِلّٰهِ وَإِنَّا إِلَيْهِ رَاجِعُونَ** पूरा या थोड़ा सा पढ़ना
अच्छी ख़बर सुन कर **الحمد لله** कहना या अजीब खबर सुन कर **سبحان الله** कहना।
- दुख या तकलीफ़ कि वजह से आह या उफ़ करना।
- अपने इमाम के सिवा किसी दूसरे को लुक़मा देना।
- पढ़ने में ऐसी ग़लती करना जिस से नमाज़ फ़ासिद हो जाती है।
- अमल ए कसीर यानी ज़यादा काम करना मसलन ऐसा काम करना जिसे देखने वाला ये समझे के ये शख़्स नमाज़ नहीं पढ़ रहा है या मसलन ऐक साथ दोनों हाथों से कोइ काम करना।
- क़सदन या भूल कर कुछ खाना पीना।
- किबले से सीना फिर जाना।
- दरद या मुसिबत कि वजह से इस तरह रोना के आवाज़ में हुरूफ़ निकल जाएं।
- नमाज़ में ऐसी आवाज़ से हसना जिसे कमसे कम खुद सुन ले।
- इमाम से आगे बढ़ जाना।